The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Thursday, July 30, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरबीआई का लाइसेंस रद्द होने के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का आदेश दिया
- एक्सिस फाइनेंस ने तेज और स्मार्ट ऋण अनुमोदन को सक्षम करने के लिए 'दृष्टि' एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया
- SBI ने पूंजी की मजबूती बढ़ाने के लिए बेसल III के अनुरूप AT1 बॉन्ड के माध्यम से 4,691 करोड़ रुपये जुटाए
- भारत ने कोलकाता बंदरगाह को नेपाल से जोड़ने वाली पहली सीधी वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी सेवा शुरू की
- दिग्गज यक्षगान कलाकार मुंडकुर कृष्ण शेट्टी का चार दशकों की सेवा के बाद 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया
- गुलवीर सिंह और हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के लिए रजत पदक जीते
- गोवा ने 3,100 करोड़ रुपये की जल मेट्रो परियोजना की डीपीआर तैयार करने के लिए कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड की नियुक्ति की
- टाटा कम्युनिकेशंस और टीटीबीएस ने भारत के छोटे और मध्यम व्यवसायों का समर्थन करने के लिए सॉवरेन एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया
- ईरान और ओमान ने होर्मुज के रणनीतिक जलडमरूमध्य के भविष्य के प्रबंधन के लिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया
- वंदे मातरम को कानूनी रूप से संरक्षित करने के लिए राज्यसभा ने राष्ट्रीय सम्मान संशोधन विधेयक 2026 पारित किया

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरबीआई का लाइसेंस रद्द करने के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने का आदेश दिया

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने अप्रैल 2026 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अपना बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (PPBL) को बंद करने का आदेश दिया है। अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक गिरिकुमार एम. नायर को बैंक के बंद होने की निगरानी के लिए आधिकारिक परिसमापक के रूप में नियुक्त किया। आरबीआई ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास परिसमापन प्रक्रिया के दौरान सभी जमा देनदारियों को चुकाने के लिए पर्याप्त तरलता थी। यह कार्रवाई लगातार अनुपालन और शासन के मुद्दों के कारण 2022 से लगाए गए नियामक प्रतिबंधों की एक श्रृंखला का अनुसरण करती है।

नियामक कार्रवाई की पृष्ठभूमि:

आरबीआई की कार्रवाई पर्यवेक्षी उपायों की एक श्रृंखला का पालन करती है:

• मार्च 2022: पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए ग्राहकों को शामिल करने से रोकने का निर्देश दिया गया।
• जनवरी-फरवरी 2024: RBI ने लगातार गैर-अनुपालन के कारण नई जमा, क्रेडिट, वॉलेट टॉप-अप और अन्य बैंकिंग सेवाओं को स्वीकार करने पर प्रतिबंध लगा दिया।
• 24 अप्रैल 2026: RBI ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया।
• जुलाई 2026: दिल्ली उच्च न्यायालय ने बैंक को बंद करने का आदेश दिया और एक आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया।

आरबीआई ने लाइसेंस क्यों रद्द किया?

RBI ने उद्धृत किया:

- नियामक आवश्यकताओं का लगातार पालन न करना।
- शासन की कमियां।
- जमाकर्ताओं और जनता के हितों के लिए हानिकारक तरीके से बैंकिंग प्रचालन किया जाता है।
- बार-बार नियामक हस्तक्षेपों के बावजूद पर्यवेक्षी चिंताओं को संतोषजनक ढंग से संबोधित करने में विफलता।

पेमेंट्स बैंक क्या है?

- पेमेंट्स बैंक एक अलग बैंक है जिसे आरबीआई द्वारा बुनियादी बैंकिंग और डिजिटल भुगतान सेवाएं प्रदान करके वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए पेश किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- मांग जमा स्वीकार करता है (आरबीआई द्वारा निर्धारित सीमा तक)।
- बचत और चालू खाते प्रदान करता है।
- डेबिट/एटीएम कार्ड जारी करता है।
- डिजिटल भुगतान, प्रेषण और यूपीआई सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है।
- पैसे उधार नहीं दे सकते या क्रेडिट कार्ड जारी नहीं कर सकते।
- मुख्य रूप से सुरक्षित सरकारी प्रतिभूतियों और अनुमोदित उपकरणों में जमा निवेश करता है।

भारत में भुगतान बैंक:

आरबीआई द्वारा लाइसेंस प्राप्त कुछ भुगतान बैंकों में शामिल हैं:

• इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी)।
• एयरटेल पेमेंट्स बैंक।
• फिनो पेमेंट्स बैंक।
• एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक।

कानूनी ढांचा:

• बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949
• भारत में बैंकिंग कंपनियों के विनियमन और पर्यवेक्षण को नियंत्रित करता है।
• भारतीय रिज़र्व बैंक को बैंकिंग लाइसेंस देने या रद्द करने और निर्दिष्ट परिस्थितियों में बैंकों को बंद करने का अधिकार देता है।

- कंपनी अधिनियम, 2013: जहां लागू हो, क्षेत्र-विशिष्ट कानूनों के साथ-साथ कंपनियों के परिसमापन और समापन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

आधिकारिक परिसमापक की भूमिका:

आधिकारिक परिसमापक:

• बैंक की संपत्ति पर नियंत्रण रखता है।
• देनदारियों का निपटान करता है।
• कानून के अनुसार पात्र जमाकर्ताओं और लेनदारों को पुनर्भुगतान सुनिश्चित करता है।
• अदालत की देखरेख में समापन प्रक्रिया का संचालन करता है।

भारत में जमा बीमा:

• अनुसूचित बैंकों में जमाराशियों को जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) द्वारा संरक्षित किया जाता है।	
• मूल संगठन	भारतीय रिज़र्व बैंक
• अधिकतम बीमा कवर	₹5 लाख प्रति जमाकर्ता प्रति बैंक
• कवर में शामिल हैं	मूलधन और अर्जित ब्याज

- बैंकिंग लाइसेंस रद्द होने के बाद डीआईसीजीसी के साथ बैंक का पंजीकरण भी रद्द कर दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के बारे में:

• स्थापना: 1 अप्रैल 1935
• राष्ट्रीयीकृत: 1 जनवरी 1949
• मुख्यालय: मुंबई
• राज्यपाल: संजय मल्होत्रा

परीक्षा फोकस बिंदु:

• बैंक: पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड
• नियामक: भारतीय रिज़र्व बैंक।
• न्यायालय: दिल्ली उच्च न्यायालय।
• लाइसेंस रद्द: 24 अप्रैल 2026
• आधिकारिक परिसमापक: गिरिकुमार एम. नायर।
• कानून: बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949; कंपनी अधिनियम, 2013
• भुगतान बैंक: ऋण प्रदान नहीं कर सकते।
• जमा बीमा: DICGC के माध्यम से ₹5 लाख तक।
• आरबीआई मुख्यालय: मुंबई।

एक्सिस फाइनेंस ने तेज और स्मार्ट ऋण अनुमोदन को सक्षम करने के लिए 'दृष्टि' लॉन्च की

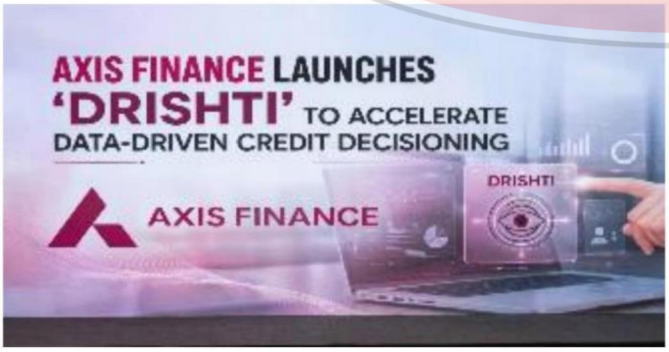

- एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड (AFL) ने 'दृष्टी' लॉन्च किया है, जो एक इन-हाउस बिजनेस रूल्स इंजन (BRE) है, जिसे क्रेडिट निर्णय लेने को बढ़ाने, जोखिम प्रबंधन को मजबूत करने और अपने खुदरा और MSME ऋण व्यवसायों में ऋण अनुमोदन में तेजी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- पहले चरण में, पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी (एलएपी) और दिशा होम लोन के लिए प्लेटफॉर्म को तैनात किया गया है।
- इस पहल का उद्देश्य मजबूत शासन और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करते हुए एआई-सक्षम एनालिटिक्स, स्वचालित हामीदारी और वास्तविक समय क्रेडिट मूल्यांकन के माध्यम से परिचालन दक्षता में सुधार करना है।

'दृष्टि' क्या है?

- दृष्टि ऋण अनुमोदन प्रक्रिया को स्वचालित और मानकीकृत करने के लिए एक्सिस फाइनेंस द्वारा विकसित एक कॉन्फ़िगर करने योग्य डिजिटल क्रेडिट निर्णय मंच है।

प्रमुख विशेषताएं:

• स्वचालित क्रेडिट मूल्यांकन।
• एआई और एनालिटिक्स-संचालित हामीदारी।
• सांख्यिकीय क्रेडिट स्कोरकार्ड।
• वास्तविक समय में निर्णय लेना।
• गतिशील नीति कार्यान्वयन।
• वैकल्पिक डेटा सहित कई डेटा स्रोतों के साथ एकीकरण।
• स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) और सहायक क्रेडिट यात्रा दोनों का समर्थन करता है।

दृष्टि के उद्देश्य:

मंच का उद्देश्य है:

• ऋण प्रसंस्करण समय कम करें।

- ऋण देने के निर्णयों में निरंतरता में सुधार करें।
- जोखिम निरीक्षण को मजबूत करें।
- ग्राहक अनुभव को बढ़ाएँ.
- पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में सुधार करें।
- प्रौद्योगिकी संचालित ऋण मूल्यांकन के माध्यम से सतत ऋण वृद्धि का समर्थन करना।

बिजनेस रूल्स इंजन (BRE) क्या है?

- बिजनेस रूल्स इंजन (बीआरई) एक सॉफ्टवेयर सिस्टम है जो पूर्वनिर्धारित ऋण नीतियों और जोखिम नियमों को लागू करके व्यावसायिक निर्णयों को स्वचालित करता है।

फ़ायदे:

- तेज़ ऋण प्रसंस्करण।
- क्रेडिट नीतियों का समान अनुप्रयोग।
- मैन्युअल हस्तक्षेप में कमी।
- बेहतर नियामक अनुपालन।
- बेहतर धोखाधड़ी का पता लगाना और जोखिम प्रबंधन।

स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) क्या है?

- स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) एक स्वचालित प्रक्रिया है जिसमें एक ऋण आवेदन न्यूनतम या बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप के जमा करने से अनुमोदन की ओर बढ़ता है।

लाभ:

- तेज़ अनुमोदन।
- कम परिचालन लागत।
- कम प्रसंस्करण त्रुटियाँ।
- बेहतर ग्राहक अनुभव।
- अधिक परिचालन दक्षता।

एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड के बारे में:

- एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है और एक्सिस बैंक की सहायक कंपनी है।

- स्थापित : 1995
- मूल कंपनी: एक्सिस बैंक
- प्रकार: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी)
- नियामक: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
- मुख्यालय: मुंबई
- एक्सिस बैंक के एमडी और सीईओ: अमिताभ चौधरी
- एक्सिस बैंक के अध्यक्ष: पी एन प्रसाद

एनबीएफसी क्या है?

- एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत एक वित्तीय संस्थान है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित है जो पूर्ण बैंकिंग लाइसेंस के बिना वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।

एनबीएफसी यह कर सकती हैं:

- ऋण और अग्रिम प्रदान करें।
- परिसंपत्ति वित्तपोषण की पेशकश करें।
- प्रतिभूतियों में निवेश करें।
- पट्टे और किराया-खरीद सेवाएं प्रदान करें।

एनबीएफसी यह नहीं कर सकतीं:

- वाणिज्यिक बैंकों (विशिष्ट श्रेणियों को छोड़कर) की तरह मांग जमा स्वीकार करें।
- स्वयं पर आहरित चेक जारी करें।
- बैंकों की तरह भुगतान और निपटान प्रणाली का हिस्सा बनें।
- खुदरा और एमएसएमई ऋण

खुदरा ऋण:

व्यक्तिगत ग्राहकों को प्रदान किए गए ऋण, जिनमें शामिल हैं:

- व्यक्तिगत ऋण।
- गृह ऋण।
- वाहन ऋण।
- शिक्षा ऋण।

एमएसएमई ऋण:

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण:

- कार्यशील पूंजी।
- व्यापार विस्तार।
- मशीनरी की खरीद।
- बुनियादी ढांचे का विकास।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• मंच: विजन।
• कंपनी: एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड।
• प्रौद्योगिकी: बिजनेस रूल्स इंजन (बीआरई)।
• उद्देश्य: तेजी से ऋण अनुमोदन और एआई-सक्षम ऋण निर्णय लेना।
• लक्षित खंड: खुदरा और एमएसएमई ऋण।

• एनबीएफसी का नियामक: भारतीय रिजर्व बैंक।
• मूल कंपनी: एक्सिस बैंक।
• मुख्य प्रौद्योगिकी: स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी), एआई, एनालिटिक्स और स्वचालित हामीदारी।

एसबीआई ने बेसल III-अनुपालन एटी1 बॉन्ड के माध्यम से 7.75% की दर से 4,691 करोड़ रुपये जुटाए

- भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने 7.75% की कूपन दर पर बेसल III-अनुपालन अतिरिक्त टियर-1 (AT1) बॉन्ड जारी करके सफलतापूर्वक ₹4,691 करोड़ जुटाए हैं। इस इश्यू में निवेशकों की मजबूत मांग देखी गई, जिसमें बोलियां इश्यू साइज से अधिक थीं, जो SBI की फाइनेंशियल ताकत और भारत के बैंकिंग सेक्टर में विश्वास को दर्शाती हैं.
- जुटाई गई धनराशि एसबीआई की टियर-1 पूंजी को मजबूत करेगी, इसके पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) में सुधार करेगी और बेसल III ढांचे के तहत नियामक पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य के ऋण विकास का समर्थन करेगी।

अतिरिक्त टियर-1 (AT1) बॉन्ड क्या हैं?

- एटी 1 बॉन्ड बैंकों द्वारा अपनी अतिरिक्त टियर -1 पूंजी को मजबूत करने के लिए जारी किए गए स्थायी ऋण साधन हैं, जो बेसल III मानदंडों के तहत नियामक पूंजी का एक महत्वपूर्ण घटक है।

प्रमुख विशेषताएं:

• कोई निश्चित परिपक्वता (प्रकृति में स्थायी) नहीं।
• एक निश्चित कूपन/ब्याज दर ले जाएं।
• बैंक आरबीआई के अनुमोदन के साथ एक निर्दिष्ट अवधि के बाद कॉल विकल्प का उपयोग कर सकते हैं।
• बेसल III के तहत अतिरिक्त टियर -1 पूंजी के रूप में गिनें
• वित्तीय तनाव के दौरान नुकसान को अवशोषित करने में मदद करें।
• उच्च जोखिम और आम तौर पर नियमित बॉन्ड की तुलना में उच्च रिटर्न प्रदान करते हैं।

SBI ने AT1 बॉन्ड क्यों जुटाए?

धन का उपयोग इसके लिए किया जाएगा:

• बैंक के पूंजी आधार को मजबूत करना।
• नियामक पूंजी आवश्यकताओं को बनाए रखें।
• ऋण पोर्टफोलियो के विस्तार का समर्थन करें।
• पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) में सुधार करें।
• अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) ढांचे और बेसल III मानदंडों के तहत भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करना।

बेसल III क्या है?

- बेसल III 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद बैंकिंग पर्यवेक्षण (बीसीबीएस) पर बेसल समिति द्वारा विकसित एक अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियामक ढांचा है।

उद्देश्य:

- वित्तीय झटकों को अवशोषित करने के लिए बैंकों की क्षमता में सुधार करना।
- पूंजी पर्याप्तता को मजबूत करना।
- जोखिम प्रबंधन को बढ़ाएँ।
- तरलता प्रबंधन में सुधार करें।
- बैंकिंग क्षेत्र में प्रणालीगत जोखिम को कम करना।

बेसल III के तहत पूंजी संरचना:

• पूंजी घटक: विवरण
• कॉमन इक्विटी टियर-1 (CET1): इक्विटी पूंजी और प्रतिधारित आय
• अतिरिक्त टियर-1 (AT1): परपेचुअल बॉन्ड और इसी तरह के कैपिटल इंस्ट्रूमेंट्स
• टियर-2 पूंजी: अधीनस्थ ऋण और अन्य पात्र उपकरण
• टियर-1 कैपिटल = CET1 + AT1

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) क्या है?

- पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) किसी बैंक की पूंजी को उसकी जोखिम-भारित परिसंपत्तियों (आरडब्ल्यूए) के संबंध में मापता है।

महत्व:

- किसी बैंक की वित्तीय मजबूती को इंगित करता है।
- जमाकर्ताओं की सुरक्षा करता है।
- यह सुनिश्चित करता है कि बैंक अप्रत्याशित नुकसान को अवशोषित कर सकें।
- वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

- भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) बेसल मानकों के आधार पर बैंकों के लिए न्यूनतम पूंजी पर्याप्तता मानदंड निर्धारित करता है।

एक सतत बंधन क्या है?

- एक परपेचुअल बॉन्ड एक बॉन्ड है जिसकी कोई निश्चित परिपक्वता तिथि नहीं होती है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- ब्याज का भुगतान समय-समय पर किया जाता है।
- मूलधन आम तौर पर तब तक नहीं चुकाया जाता जब तक कि जारीकर्ता कॉल विकल्प का प्रयोग नहीं करता।
- आमतौर पर बैंकों द्वारा नियामक पूंजी जुटाने के लिए उपयोग किया जाता है।

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के बारे में:

स्थापना: 1955 (भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के तहत)
मुख्यालय: मुंबई
अध्यक्ष: C. S. Setty

प्रमुख सहायक कंपनियां:

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस।
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस।
एसबीआई म्यूचुअल फंड।
एसबीआई कार्ड और भुगतान सेवाएं।
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स (एसबीआईकैप्स)।

बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (BCBS) के बारे में:

स्थापित:1974
मुख्यालय: बेसल, स्विट्जरलैंड
द्वारा होस्ट किया गया: बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस)

कार्य:

- वैश्विक बैंकिंग नियामक मानकों का विकास करता है।
- फ्रेम्स बेसल मानदंड (बेसल I, II और III)।
- वित्तीय स्थिरता और बैंकिंग पर्यवेक्षण को बढ़ावा देता है।

अंतर्राष्ट्रीय निपटान बैंक (BIS):

स्थापित:1930
मुख्यालय: बेसल, स्विट्जरलैंड
के रूप में जाना जाता है: "केंद्रीय बैंकों के लिए बैंक"
महाप्रबंधक: पाब्लो हर्नांडेज़ डी कॉस

परीक्षा फोकस बिंदु:

बैंक: भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)।
जुटाई गई निधि: ₹4,691 करोड़
उपकरण: बेसल III-अनुरूप AT1 बांड।
कूपन दर: 7.75%।
प्रकृति: निरंतर, असुरक्षित, अधीनस्थ बंधन।
उद्देश्य: टियर-1 पूंजी को मजबूत करना।
नियामक: भारतीय रिज़र्व बैंक।
बेसल समिति मुख्यालय: बेसल, स्विट्जरलैंड।
बीआईएस मुख्यालय: बेसल, स्विट्जरलैंड।
एसबीआई मुख्यालय: मुंबई।

भारत ने नेपाल के लिए पहली सीधी वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी शुरू की

- भारत ने कोलकाता बंदरगाह से नेपाल के बिराटनगर सीमा शुल्क यार्ड तक पहली सीधी वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी के सफल संचालन के साथ क्षेत्रीय संपर्क में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।
- कैनोला की खेप ले जाने वाली 40 वैगन वाली मालगाड़ी संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल के तहत संचालित होती है, जो सीमा पर बिना ट्रांसशिपमेंट के निर्बाध रेल आवाजाही को सक्षम बनाती है।

- इस पहल से भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करते हुए पारगमन समय, रसद लागत और कार्गो हैंडलिंग में काफी कमी आने की उम्मीद है।

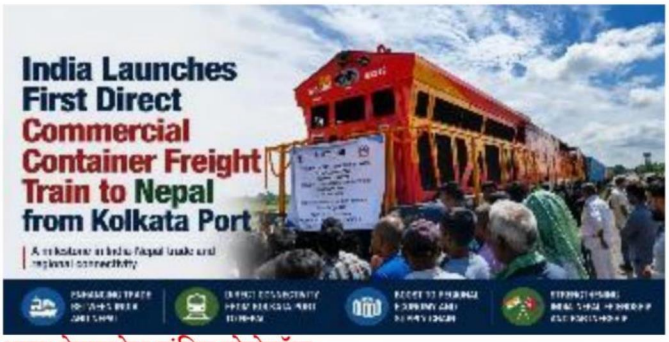

भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल

- नवंबर 2025 में हस्ताक्षरित लेटर ऑफ एक्सचेंज (एलओई) के बाद इस सेवा को संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल के तहत संचालित किया गया है।

प्रमुख प्रावधान:

- कंटेनरीकृत और बल्क कार्गो की सीधी आवाजाही।
- भारतीय बंदरगाहों से नेपाल सीमा शुल्क यार्ड तक रेल संपर्क।
- सीमा शुल्क प्रबंधन और रसद में देरी में कमी।
- नेपाल के तीसरे देश के व्यापार के लिए बेहतर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी।

जोगबनी-बिराटनगर रेल लिंक:

- मालगाड़ी जोगबनी (भारत)-बिराटनगर (नेपाल) ब्रॉड-गेज रेल लिंक का उपयोग करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

• स्थान: बिहार (भारत) – मोरंग जिला (नेपाल)।
• प्रकार: ब्रॉड गेज क्रॉस-बॉर्डर रेलवे।
• संयुक्त रूप से उद्घाटन: 1 जून 2023 को भारत और नेपाल के प्रधानमंत्रियों द्वारा।
• के साथ निर्मित: भारत सरकार अनुदान सहायता।

कोलकाता बंदरगाह के बारे में:

• श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह (कोलकाता बंदरगाह) भारत का सबसे पुराना परिचालन बंदरगाह है।
• पूर्व नाम: कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट
• वर्तमान नाम: श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट
• नदी: हुगली नदी
• महत्व: पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत और नेपाल व्यापार के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार

भारत-नेपाल व्यापार संबंध:

- भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और निवेश का एक प्रमुख स्रोत है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

• व्यापार और पारगमन।
• रेल और सड़क संपर्क।
• ऊर्जा सहयोग।
• सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन।
• एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी)।
• अंतर्देशीय जलमार्ग और रसद।

भारत-नेपाल कनेक्टिविटी परियोजनाएं:

प्रमुख कनेक्टिविटी पहलों में शामिल हैं:

• जयनगर-कुर्था-बिजलपुरा-बर्दीबास रेलवे।
• जोगबनी-बिराटनगर रेलवे।
• रक्सौल-काठमांडू ब्रॉड गेज रेलवे (प्रस्तावित)।
• मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन।
• बीरगंज, बिराटनगर, नेपालगंज और भैरहवा में एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी)।

भारत-नेपाल पारगमन संधि के बारे में:

- पारगमन की संधि नेपाल को भारतीय बंदरगाहों तक पहुंच प्रदान करती है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए परिवहन बुनियादी ढांचा प्रदान करती है।

सुविधाऐं:

- भारतीय बंदरगाहों तक पहुंच।
- भारतीय रेल, सड़क और अंतर्देशीय जलमार्गों का उपयोग।
- तीसरे देशों के साथ नेपाल के व्यापार को सुगम बनाता है।
- द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से समय-समय पर संशोधित किया जाता है।

नेपाल:

• राजधानी: काठमांडू
• मुद्रा: नेपाली रुपया

• अध्यक्ष: राम चंद्र पौडेल
• प्रधान मंत्री: बालेंद्र शाह

भारत-नेपाल सीमा:

- लंबाई: लगभग 1,751 किमी।

भारतीय राज्य सीमा साझा करते हैं:

• उत्तराखंड।
• उत्तर प्रदेश।
• बिहार।
• पश्चिम बंगाल।
• सिक्किम।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• पहला सीधा माल मार्ग: कोलकाता बंदरगाह - बिराटनगर सीमा शुल्क यार्ड।
• फ्रेमवर्क: संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल।
• कार्गो: कैनोला।
• ट्रेन: 40-वैगन वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी
• रेल लिंक: जोगबनी-बिराटनगर ब्रॉड गेज रेलवे।
• बंदरगाह: श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (कोलकाता)
• संधि: भारत-नेपाल पारगमन संधि।
• प्रशासनिक मंत्रालय: रेल मंत्रालय।
• लाभ: कम रसद लागत और तेजी से सीमा पार व्यापार।

जाने-माने यक्षगान कलाकार मुंडकुर कृष्णा शेट्टी का 80 साल की उम्र में निधन

- प्रसिद्ध यक्षगान कलाकार मुंडकुर कृष्ण शेट्टी, जिन्हें 'कुट्टी' के नाम से जाना जाता है, का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- यक्षगान की तेनकुटिट्टु शैली के एक प्रसिद्ध पुंडु वेशा कलाकार, उन्होंने कर्नाटक की समृद्ध नाट्य परंपरा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए चार दशकों से अधिक समय समर्पित किया।
- कला के रूप में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें यक्षगान कलारंग पुरस्कार (2022) से सम्मानित किया गया था।
- यक्षगान एक पारंपरिक लोक रंगमंच है जिसमें नृत्य, संगीत, संवाद, अभिनय, विस्तृत वेशभूषा और मेकअप का संयोजन है। यह मुख्य रूप से रामायण, महाभारत, पुराणों और अन्य हिंदू महाकाव्यों की कहानियों को दर्शाता है।

यक्षगान की प्रमुख शैलियाँ:

• वर्तिका	क्षेत्र	विशेषताएँ
• बडागुटिट्टू	उत्तर कन्नड़, उडुपी और उत्तरी तटीय कर्नाटक	संवाद, विस्तृत वेशभूषा और चेहरे के मेकअप पर अधिक जोर।
• तेनकुट्टिट्टु	दक्षिण कन्नड़ और कासरगोड	तेज नृत्य आंदोलन, सुंदर भाव और लयबद्ध कोरियोग्राफी।

प्रमुख शब्दावली:

पुंडु वेशा

- यक्षगान में युवा, वीर, ऊर्जावान पुरुष पात्रों को संदर्भित करता है।
- चपलता, अभिव्यंजक अभिनय और जोरदार नृत्य आंदोलनों की आवश्यकता होती है।

हिमेला

- पृष्ठभूमि संगीत पहनावा, जिसमें भागवत (प्रमुख गायक) और चेंडे और मैडले जैसे ताल वाद्ययंत्र शामिल हैं।

मम्मेला

- अभिनेताओं और नर्तकियों का समूह जो मंच पर प्रदर्शन करते हैं।

यक्षगान में प्रयुक्त संगीत वाद्ययंत्र

• चेंडे।
• मैडेल।
• ताल (झांझ)।
• हारमोनियम (आधुनिक प्रदर्शनों में)।

यक्षगान इस प्रकार कार्य करता है:

- भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं को संरक्षित करने का एक माध्यम।
- कन्नड़ भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण वाहन।

- कर्नाटक की सांस्कृतिक पहचान की एक जीवंत अभिव्यक्ति।
- एक पारंपरिक प्रदर्शन कला जो सामुदायिक भागीदारी और सांस्कृतिक निरंतरता को मजबूत करती है।

भारत की अन्य प्रसिद्ध लोक रंगमंच परंपराएं:

राज्य लोक रंगमंच	
कर्नाटक	यक्षगान
केरल कथाकली	
उत्तर प्रदेश	ढोर
महाराष्ट्र	तमाशा
पश्चिम बंगाल	जात्रा
गुजरात	भवाई
राजस्थान	ख्याल
आंध्र प्रदेश	बुर्राकथा

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH):

- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को कन्वेंशन (2003) का उद्देश्य परंपराओं, प्रदर्शन कलाओं, अनुष्ठानों, त्योहारों और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा करना है।

यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में भारत के उदाहरण:

- कूडियाट्टम।
- रम्मन।
- छऊ नृत्य।
- कालबेलिया लोक गीत और नृत्य।
- दुर्गा पूजा।
- गुजरात का गरबा।

- नोट: यक्षगान वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल नहीं है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- कला रूप: यक्षगान।
- राज्य: कर्नाटक।
- प्रमुख स्टाइल्स: अस्थायी और ढहना।
- विशेष भूमिका: पुंदू वेशा।
- पृष्ठभूमि संगीत: हिमेला।
- अभिनेताओं का पहनावा: मम्मेला।
- मुंडकुर कृष्ण शेट्टी द्वारा प्राप्त पुरस्कार: यक्षगान कलरंगा पुरस्कार (2022)।
- विषय: रामायण, महाभारत और पुराण।

गुलवीर सिंह और हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में रजत पदक जीते

- भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह और हरजिंदर कौर ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की तालिका में दो और रजत पदक जोड़े। गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में 27:49.78 के समय के साथ रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।
- इस बीच, हरजिंदर कौर ने महिलाओं की 69 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में 227 किग्रा (101 किग्रा स्नैच + 126 किग्रा क्लीन एंड जर्क) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ कुल वजन के साथ रजत पदक जीता।

गुलवीर सिंह की ऐतिहासिक उपलब्धि:

- गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने के लिए चुनौतीपूर्ण बरसात की परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया।

महत्त्व:

- राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में पदक जीतने वाले पहले भारतीय।
- के रॉबिन्सन (ऑस्ट्रेलिया) के पीछे रहे, जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता।
- केन्या और युगांडा जैसे पारंपरिक लंबी दूरी के पावरहाउस के कई एथलीटों को पीछे छोड़ दिया।

गुलवीर सिंह के बारे में:

- उत्तर प्रदेश से लंबी दूरी का धावक।

- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व करता है।
- एशियाई खेल 2022: कांस्य पदक (10,000 मीटर)।
- एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: 5,000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में स्वर्ण।
- 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखता है।

हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीता:

- हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किग्रा वर्ग में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ कुल 227 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक हासिल किया।

प्रदर्शन:

- स्नैच: 101 किग्रा।
- क्लीन एंड जर्क: 126 किग्रा।
- कुल: 227 किग्रा।

- स्वर्ण पदक: शार्लोट सिमोन्यू (कनाडा) – 240 किग्रा (खेल रिकॉर्ड)।
- कांस्य पदक: न्या फेबे हेमैन (ऑस्ट्रेलिया) - 218 किग्रा।

हरजिंदर कौर के बारे में:

- पंजाब के भारतीय भारोत्तोलक।
- राष्ट्रमंडल खेल 2022: कांस्य पदक (महिलाओं का 71 किग्रा)।
- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की अग्रणी महिला भारोत्तोलकों में से एक।

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (IWF):

- स्थापित : 1905
- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड
- राष्ट्रपति: मोहम्मद हसन जलौद (इराक)
- शासी निकाय: अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई)

- स्थापित:1946
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- अध्यक्ष: बहादुर सिंह सागू
- सचिव: संदीप मेहता

परीक्षा फोकस बिंदु:

- आयोजन: राष्ट्रमंडल खेल 2026।
- स्थान: ग्लासगो, स्कॉटलैंड।
- गुलवीर सिंह : रजत – पुरुषों की 10,000 मीटर।
- ऐतिहासिक उपलब्धि: राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में पहले भारतीय पदक विजेता।
- हरजिंदर कौर: रजत - महिलाओं की 69 किग्रा भारोत्तोलन।
- कुल लिफ्ट: 227 किग्रा।
- विश्व एथलेटिक्स मुख्यालय: मोनाको।
- IWF मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड।
- राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) का शासी निकाय: राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ)।

गोवा ने कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) को वाटर मेट्रो परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए नियुक्त किया

- गोवा सरकार ने प्रस्तावित गोवा जल मेट्रो परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल) को नियुक्त किया है।
- डीपीआर के 3-4 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है और यह परियोजना का तकनीकी, वित्तीय, पर्यावरणीय और परिचालन ढांचा प्रदान करेगी।
- व्यवहार्यता अध्ययन के आधार पर, इस परियोजना की लागत लगभग 3,100 करोड़ रुपये होने का अनुमान है और इसका उद्देश्य 111 किलोमीटर का इलेक्ट्रिक जल-आधारित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क विकसित करना है, जिससे स्थायी गतिशीलता और पर्यटन को बढ़ावा देते हुए सड़क की भीड़ कम हो सके।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं:

चरण- I:
• 14 मार्गों के प्रस्तावित नेटवर्क से 9 जल मार्गों का चयन किया गया।
• 32 यात्री टर्मिनलों का निर्माण।
• प्रमुख शहरों और नदी के किनारे के गांवों के बीच संबंध।
• बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नौकाओं की तैनाती।
चरण- II:
• शेष चिन्हित मार्गों को कवर करने के लिए नेटवर्क का विस्तार।
• यात्री क्षमता और सेवा आवृत्ति में वृद्धि।

डीपीआर यह भी निर्धारित करेगी:

• आवश्यक नावों की संख्या।
• यात्री क्षमता।
• बैटरी तकनीक।
• सुरक्षा मानकों।
• परिचालन ढांचा।
• टर्मिनल बुनियादी ढांचा।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) क्या है?

- एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) एक व्यापक तकनीकी दस्तावेज है जो एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना को लागू करने से पहले तैयार किया जाता है।

उसमे समाविष्ट हैं:

• तकनीकी व्यवहार्यता।
• वित्तीय व्यवहार्यता।
• लागत अनुमान।
• पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।
• इंजीनियरिंग डिजाइन।
• कार्यान्वयन अनुसूची।
• जोखिम मूल्यांकन।
• संचालन और रखरखाव योजना।

कोच्चि वाटर मेट्रो के बारे में:

- कोच्चि वाटर मेट्रो भारत की पहली एकीकृत जल-आधारित शहरी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली है, जो गोवा परियोजना के लिए मॉडल के रूप में कार्य करती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

• राज्य: केरल
• शुरू की: अप्रैल 2023
• कार्यान्वयन एजेंसी: कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (KMRL)
• मोड: बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावें
• उद्देश्य: सतत शहरी जल परिवहन

- यह परियोजना कोच्चि मेट्रो रेल के साथ नौका सेवाओं को एकीकृत करती है, जो निर्बाध मल्टीमॉडल परिवहन प्रदान करती है।

कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (KMRL) के बारे में:

• स्थापित: 2011
• मुख्यालय: कोच्चि, केरल
• प्रकार: संयुक्त उद्यम

कार्य:

- कोच्चि मेट्रो का विकास और संचालन।
- कोच्चि वाटर मेट्रो का कार्यान्वयन।
- शहरी परिवहन परियोजनाओं के लिए परामर्श।

पर्यावरणीय महत्व

गोवा वाटर मेट्रो बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नौकाओं का उपयोग करेगी, जो पेशकश करती हैं:

• शून्य टेलपाइप उत्सर्जन।
• पानी और ध्वनि प्रदूषण में कमी।
• जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भरता।
• हवा की गुणवत्ता में सुधार।
• अंतर्देशीय जलमार्गों का सतत उपयोग।

परियोजना का उद्देश्य निम्नलिखित की रक्षा करना भी है:

• नदी पारिस्थितिक तंत्र।
• मैंग्रोव वन।
• जलीय जैव विविधता।

- तटीय और मुहाना वातावरण।

भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT):

- अंतर्देशीय जल परिवहन (IWT) नदियों, नहरों, झीलों और बैकवाटर के माध्यम से यात्रियों और माल की आवाजाही को संदर्भित करता है।

लाभ:

- लागत प्रभावी परिवहन।
- ईंधन कुशल।
- पर्यावरण के अनुकूल।
- सड़क पर भीड़ कम होना।
- कम कार्बन उत्सर्जन।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI):

- स्थापित: 1986
- मुख्यालय: नोएडा, उत्तर प्रदेश

कार्य:

- राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास।
- अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देना।
- नेविगेशन के लिए बुनियादी ढांचे का विकास।

गोवा में राष्ट्रीय जलमार्ग:

- गोवा में राष्ट्रीय जलमार्ग-68 (मंडोवी नदी) और राष्ट्रीय जलमार्ग-111 (जुआरी नदी) हैं, जो अंतर्देशीय नौवहन और पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान:

- 2021 में लॉन्च किया गया।
- एकीकृत मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करता है।
- सड़क, रेल, हवाई, बंदरगाहों और जलमार्गों में निर्बाध कनेक्टिविटी को बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन:

इलेक्ट्रिक नौकाओं का उपयोग भारत के लक्ष्यों का समर्थन करता है:

- स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण।
- शुद्ध शून्य उत्सर्जन।
- सतत शहरी परिवहन।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- परियोजना: गोवा वाटर मेट्रो।
- राज्य: गोवा।
- डीपीआर एजेंसी: कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल)।
- अनुमानित लागत: ₹3,100 करोड़।
- नेटवर्क की लंबाई: 111 किमी।
- चरण- 1: 9 मार्ग और 32 टर्मिनल।
- परिवहन मोड: बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नौकाएं।
- संदर्भ परियोजना: कोच्चि वाटर मेट्रो (केरल)।
- नोडल मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
- संबंधित संगठन: भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई)।

टाटा कम्युनिकेशंस और TTBS ने भारत के छोटे और मध्यम व्यवसायों (SMB) के लिए सॉवरेन AI प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

- टाटा कम्युनिकेशंस और टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ने भारत में छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के लिए एक एकीकृत सॉवरेन एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है।
- एकीकृत एआई स्टैक टाटा कम्युनिकेशंस के क्लाउड, संवादात्मक एआई और संचार क्षमताओं को टीटीबीएस के वॉयस इंफ्रास्ट्रक्चर और व्यापक एसएमबी नेटवर्क के साथ जोड़ता है, जो व्यवसायों को अधिक सुरक्षा, मापनीयता और नियामक अनुपालन के साथ एंटरप्राइज़-ग्रेड एआई समाधान अपनाने में सक्षम बनाता है।
- इस पहल का उद्देश्य भारत के 60+ मिलियन एसएमबी के बीच एआई अपनाने में तेजी लाना है, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

सॉवरेन एआई प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताएं:

एकीकृत मंच प्रदान करता है:

- समर्पित व्यावसायिक फ़ोन नंबरों के साथ AI-संचालित वॉयस एजेंट।
- 24×7 संवादात्मक एआई के माध्यम से ग्राहक सहायता।
- नियुक्ति शेड्यूलिंग और अनुवर्ती।
- ऑर्डर प्रोसेसिंग और ग्राहक क्वेरी रिज़ॉल्यूशन।
- बहुभाषी भाषण-से-भाषण बातचीत।
- एआई क्लाउड और संचार बुनियादी ढांचे के साथ एकीकृत है।
- विभिन्न आकारों के व्यवसायों के लिए लचीली तैनाती।

संभावित उपयोग के मामले:

- हेल्थकेयर अपॉइंटमेंट बुकिंग।
- यात्रा और टिकट आरक्षण।
- खुदरा ग्राहक सहायता।
- आतिथ्य सेवाएं।
- ई-कॉमर्स और ऑर्डर प्रबंधन।
- बैंकिंग और वित्तीय ग्राहक सहायता।

सॉवरेन एआई क्या है?

- सॉवरेन एआई किसी देश की अपने बुनियादी ढांचे, डेटा, प्रतिभा और नियामक ढांचे का उपयोग करके कृत्रिम बुद्धिमत्ता को विकसित करने, तैनात करने और नियंत्रित करने की क्षमता को संदर्भित करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि संवेदनशील डेटा राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र में बना रहे।

प्रमुख विशेषताऐं:

- डेटा राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर संग्रहीत और संसाधित किया जाता है।
- घरेलू कानूनों और विनियमों का अनुपालन।
- बढ़ी हुई साइबर सुरक्षा और गोपनीयता।
- विदेशी क्लाउड बुनियादी ढांचे पर निर्भरता कम हुई।
- स्वदेशी एआई नवाचार के लिए समर्थन।

संवादात्मक एआई क्या है?

- संवादात्मक एआई कंप्यूटर को आवाज या पाठ के माध्यम से प्राकृतिक भाषा का उपयोग करके मनुष्यों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाता है।

प्रयुक्त प्रौद्योगिकियां

- प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी)।
- मशीन लर्निंग (एमएल)।
- वाक् पहचान।
- जनरेटिव एआई।
- बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम)।

वायु एआई क्लाउड के बारे में:

वायु एआई क्लाउड टाटा कम्युनिकेशंस का एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म है जो प्रदान करता है:

- स्केलेबल एआई कंप्यूटिंग।
- सुरक्षित क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर।
- एआई मॉडल परिनियोजन।
- एंटरप्राइज़ AI अनुप्रयोगों के लिए उच्च-प्रदर्शन प्रसंस्करण।

टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (TTBS) के बारे में:

TTBS व्यवसायों के लिए डिजिटल समाधान प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं:

- व्यापार कनेक्टिविटी।
- क्लाउड सेवाएं।
- साइबर सुरक्षा।
- आवाज समाधान।
- प्रबंधित आईटी सेवाएं।
- डिजिटल सहयोग उपकरण।

- इसका एक व्यापक वितरण नेटवर्क है जो मुख्य रूप से भारत के एसएमबी क्षेत्र को पूरा करता है।

भारत में एसएमई/एमएसएमई का महत्व

- भारत में 60 मिलियन से अधिक एमएसएमई हैं, जो अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।
- योगदान
- भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 30%।
- निर्यात का लगभग 45%।
- 250 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

- एमएसएमई को अक्सर भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में जाना जाता है।

एआई का समर्थन करने वाली सरकारी पहल:

इंडियाएआई मिशन:

• स्वीकृत: 2024।
• नोडल मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई)।
• वित्तीय परिव्यय: ₹10,371.92 करोड़
• उद्देश्य: एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वदेशी एआई मॉडल, डेटासेट, स्टार्टअप और कुशल कार्यबल का निर्माण करना।

भाषिणी:

- राष्ट्रीय एआई-संचालित भाषा अनुवाद मंच।
- डिजिटल इंडिया के तहत विकसित किया गया।
- बहुभाषी डिजिटल सेवाओं और भाषा प्रौद्योगिकियों का समर्थन करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• कंपनियां: टाटा कम्युनिकेशंस और टीटीबीएस।
• पहल: एसएमबी के लिए सॉवरेन एआई प्लेटफॉर्म।
• क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म: वायु एआई क्लाउड।
• एआई प्लेटफार्म: हंगामा।
• लक्ष्य समूह: 60+ मिलियन एसएमबी।
• प्रौद्योगिकी: संवादात्मक एआई और एआई-संचालित वॉयस एजेंट।
• मुख्य अवधारणा: डेटा संप्रभुता।
• संबंधित सरकारी पहल: इंडियाएआई मिशन।
• डिजिटल प्लेटफॉर्म का समर्थन: भाषिनी।

ईरान और ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के भविष्य के प्रबंधन पर प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया

- ईरान और ओमान ने दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के भविष्य के प्रबंधन के संबंध में प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।
- ओमान ने मलक्का जलडमरूमध्य मॉडल से प्रेरित एक क्षेत्रीय प्रबंधन तंत्र का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत खाड़ी देश समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए शिपिंग कंपनियों के स्वैच्छिक योगदान के साथ जलडमरूमध्य के माध्यम से नेविगेशन का प्रबंधन करेंगे।
- हालांकि, ईरान ने एक ऐसी प्रणाली का प्रस्ताव दिया है जो उसे सुरक्षा कारणों से शिपिंग मार्गों पर अधिक नियंत्रण देगी और इस बात पर जोर दिया है कि भविष्य की व्यवस्थाओं को अपने संप्रभु हितों की रक्षा करनी चाहिए।
- यह चर्चा खाड़ी में हाल के तनाव के बाद सुरक्षित नौवहन और क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने के लिए व्यापक राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों महत्वपूर्ण है?

- होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला एक संकरा समुद्री मार्ग है।

सामरिक महत्व:

- दुनिया के सबसे व्यस्त ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक।
- वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20% और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सामान्य परिस्थितियों के दौरान जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
- खाड़ी देशों से ऊर्जा निर्यात के लिए आवश्यक।
- यह वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

ओमान का प्रस्ताव:

ओमान ने सुझाव दिया है:

• खाड़ी के तटवर्ती देशों को शामिल करते हुए एक संयुक्त क्षेत्रीय प्रबंधन तंत्र।
• किसी एक देश का कोई विशेष नियंत्रण नहीं है।
• समर्थन के लिए शिपिंग कंपनियों से स्वैच्छिक योगदान:
• नेविगेशन सुरक्षा।
• खोज और बचाव अभियान।
• पर्यावरण संरक्षण।
• मलक्का जलडमरूमध्य सहयोग मॉडल से प्रेरित एक ढांचा।

ईरान की स्थिति:

ईरान ने प्रस्तावित किया है:

• समुद्री यातायात की अधिक निगरानी।
• ईरान के जल क्षेत्र से होकर कुछ शिपिंग लेन का मार्ग।
• राष् ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सुरक्षा उपायों में वृद्धि।
• अपने संप्रभु अधिकारों को बनाए रखते हुए भविष्य की समुद्री सेवाओं और संबंधित व्यवस्थाओं पर चर्चा।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बारे में

विशेष	विवरण
• स्थान	ईरान (उत्तर) और ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (दक्षिण) के बीच
• जोड़ता है	ओमान की खाड़ी और अरब सागर के साथ फारस की खाड़ी
• प्रकार	अंतर्राष्ट्रीय समुद्री चोकपॉइंट
• महत्व	वैश्विक तेल और एलएनजी शिपिंग मार्ग

जलडमरूमध्य की सीमा से लगे देश:

- ईरान।
- ओमान (मुसंदम प्रायद्वीप)।
- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी जलडमरूमध्य के दक्षिणी दृष्टिकोण के करीब स्थित है।

मलक्का मॉडल जलडमरूमध्य:

- इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर द्वारा साझा मलक्का जलडमरूमध्य का प्रबंधन सहकारी क्षेत्रीय व्यवस्थाओं के माध्यम से किया जाता है, जो इस पर ध्यान केंद्रित करते हैं:

• समुद्री सुरक्षा।
• खोज और बचाव।
• पर्यावरण संरक्षण।
• नेविगेशन की स्वतंत्रता।

- ओमान का प्रस्ताव इस सहयोगी मॉडल से प्रेरणा लेता है।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO):

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है:

• सुरक्षित नेविगेशन।
• समुद्री सुरक्षा।
• समुद्री पर्यावरण संरक्षण।
• अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग मानक।

- होर्मुज जलडमरूमध्य में मौजूदा यातायात पृथक्करण योजना (टीएसएस) को आईएमओ मार्गदर्शन के तहत विकसित किया गया था।

भारत के लिए महत्व:

- होर्मुज जलडमरूमध्य भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि:
- भारत के कच्चे तेल के आयात का एक बड़ा हिस्सा जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।
- यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह खाड़ी देशों के साथ व्यापार का समर्थन करता है।
- किसी भी व्यवधान से वैश्विक तेल की कीमतें और माल ढुलाई लागत बढ़ सकती है।

अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक समुद्री चोकपॉइंट

चोकपॉइंट	जोड़ता है
• होर्मुज जलडमरूमध्य	फारस की खाड़ी – ओमान की खाड़ी
• मलक्का जलडमरूमध्य	हिंद महासागर – दक्षिण चीन सागर
• बाब अल-मंडेब	लाल सागर – अदन की खाड़ी
• स्वेज नहर	भूमध्य सागर – लाल सागर
• पनामा नहर	अटलांटिक महासागर – प्रशांत महासागर
• बोस्पोरस जलडमरूमध्य	काला सागर - भूमध्य सागर

परीक्षा फोकस बिंदु:

• मुद्दा: होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन पर ईरान-ओमान प्रस्ताव।
• सामरिक जलमार्ग: होर्मुज जलडमरूमध्य।
• महत्व: वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा।
• ओमान का प्रस्ताव: स्वैच्छिक शुल्क के साथ संयुक्त क्षेत्रीय तंत्र।
• ईरान की स्थिति: पारगमन मार्गों पर अधिक नियंत्रण।
• संबंधित संगठन: अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ)।

• तुलनीय मॉडल: मलक्का जलडमरूमध्य।
• भारत के लिए महत्व: ऊर्जा सुरक्षा और कच्चे तेल का आयात।

राज्यसभा ने वंदे मातरम को वैधानिक सुरक्षा देने के लिए राष्ट्रीय सम्मान (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया

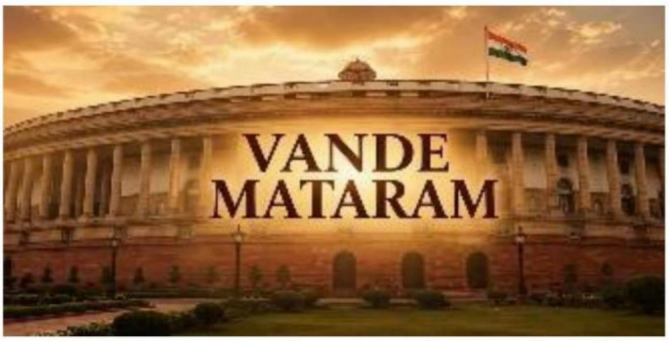

- राज्यसभा ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह विधेयक राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करता है।

मुख्य विचार:

- वंदे मातरम को राष्ट्रगान, जन गण मन के समान वैधानिक सुरक्षा प्रदान की गई।
- जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान दंडनीय अपराध होगा।
- सजा में 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों शामिल हैं।
- वंदे मातरम को राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 के कानूनी ढांचे के तहत लाया गया है।
- इसका उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान को मजबूत करना है।

वंदे मातरम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

संरचना:

- 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित था।
- मूल रूप से उनके उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया था।
- भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ:

• 1928: नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिमीर बरन बनर्जी से एक पूर्ण संगीत संस्करण तैयार करने का अनुरोध किया।
• 15 अगस्त 1947: सरदार वल्लभभाई पटेल ने पंडित ओंकारनाथ ठाकुर को भारत के पहले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह 6:30 बजे आकाशवाणी पर संपूर्ण वंदे मातरम गाने के लिए कहा।
• 24 जनवरी 1950: डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में कहा कि वंदे मातरम को जनगण मन के समान सम्मान मिलेगा क्योंकि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका है।

राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 क्या है?

- यह भारत के राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान या अपमान को रोकने के लिए बनाया गया एक कानून है।

प्रमुख विशेषताएं:

- राष्ट्रीय प्रतीकों को जानबूझकर अपमान से बचाता है।
- उल्लंघन के लिए कारावास, जुर्माना या दोनों निर्धारित करता है।
- राष्ट्रीय पहचान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देता है।
- 2026 का संशोधन वंदे मातरम के समान सुरक्षा प्रदान करता है।

वंदे मातरम का महत्व:

• भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया।
• देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक।
• अत्यधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है।
• भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता प्राप्त है।
• कानूनी प्रावधान:
• मौजूदा कानून: राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971
• संशोधन: राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026
• अधिकतम सजा: 3 साल तक की कैद, जुर्माना, या दोनों।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• विधेयक: राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026
• अधिनियम में संशोधन: राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971
• राष्ट्रीय गीत: वंदे मातरम
• राष्ट्रगान: जन गण मन
• वंदे मातरम के संगीतकार: बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय।
• उपन्यास: आनंदमठ
• अधिकतम सजा: 3 साल की कैद, जुर्माना, या दोनों
• ऐतिहासिक घोषणा: डॉ. राजेंद्र प्रसाद (24 जनवरी 1950)

- प्रथम स्वतंत्रता दिवस समारोह : आकाशवाणी से पंडित ओंकारनाथ ठाकुर

लेट्स रिवाइज

❖ दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2026 में किस बैंक को बंद करने का आदेश दिया है? पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल)।

❖ किस NBFC ने 2026 में 'दृष्टी' डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया? एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड।

❖ किस बैंक ने जुलाई 2026 में AT1 बॉन्ड के माध्यम से ₹4,691 करोड़ जुटाए? भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)।

❖ भारत और नेपाल के बीच पहली सीधी वाणिज्यिक कंटेनर मालगाड़ी द्वारा कौन से दो स्थान जुड़े हुए हैं? कोलकाता पोर्ट और बिराटनगर कस्टम यार्ड।

❖ मुंडकुर कृष्ण शेट्टी, जिनका हाल ही में निधन हो गया, किस पारंपरिक प्रदर्शन कला से जुड़े थे? यक्षगान।

❖ पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय कौन बने? गुलवीर सिंह।

❖ गोवा जल मेट्रो परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए किस संगठन को नियुक्त किया गया है? कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड (केएमआरएल)।

❖ टाटा समूह की किन दो कंपनियों ने संयुक्त रूप से एसएमबी के लिए एक सॉवरेन एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया? टाटा कम्युनिकेशंस और टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस)।

❖ हाल ही में किन दो देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के भविष्य के प्रबंधन पर प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया? ईरान और ओमान।

❖ राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 द्वारा किस अधिनियम में संशोधन किया गया है? राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 achievers_ias_patna PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy www.achieversiaspatna.co.in Achievers IAS Academy, PATNA